Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding supply of polluted water of Yamuna River in canals.

श्री राजकुमार चाहर (फतेहपुर सीकरी): मैं आपका ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर दिलाना चाहता हूं, जो किसानों से जुड़ा हुआ है ।

माननीय सभापति जी, ओखला बैराज में यमुना नदी का पानी आता है । यमुना नदी का पानी इस समय बहुत दूषित, झागदार और बदबूदार हो गया है । जब यह पानी नहरों में जाता है, जिसमें मथुरा, हरियाणा और आगरा की नहरें जुड़ी हुई हैं, तो यह और भी दूषित हो जाता है ।

माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि उस पानी के दूषित होने के कारण जब मेरे किसान साथी अपनी फसलों की सिंचाई करते हैं, तो उनको विभिन्न प्रकार के चर्म रोग हो जाते हैं । जब वह दूषित पानी खेतों में फसल की सिंचाई में जाता है, तो फसलों से जो अन्न आता है, वह भी खराब हो जाता है । जब वह पानी भूगर्भ में जाता है और वापस आता है, तो वह पेयजल के योग्य भी नहीं रहता है । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि दिल्ली की सरकार इस विषय पर मूकदर्शक बनी बैठी है । दिल्ली की फैक्ट्रियों का गंदा और दूषित पानी नहरो में जा रहा है ।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि इस दूषित पानी को समाप्त किया जाए और शुद्ध पेय जल दिया जाए । मैं आपको यह भी कहना चाहता हूं कि एक समय में, जब इन नहरों में पानी आता था, मुझे याद है जब हम स्कूल में पढ़ने के लिए जाते थे, जब कभी गाय-भैंस को चराने ले जाते थे, तो इन्हीं नहरों के पानी को पीते थे । इस तरह का शुद्ध पानी नहरों में दिया जाए । कृपया आप सरकार के माध्यम से ...* जी से कह दीजिए कि हमारे यहां अच्छा पानी जाने दें] इसको अपनी तरह दूषित न करें । जैसे दूषित हो गए हैं, उस तरह पानी को दूषित न करें ।